एनएसई का आईपीओ

शुरुआती निवेशकों को कई गुना मुनाफा होने की उम्मीद

खुशबू तिवारी
मुंबई, 18 जून

नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का लंबे समय से प्रतीक्षित आईपीओ कई शेयरधारकों को बड़ा मुनाफा कराएगा। इनमें सरकारी बैंक और बीमा कंपनियों से लेकर विदेशी वेल्थ फंड और पेंशन मैनेजर तक शामिल हैं।

एनएसई देश का सबसे बड़ा एक्सचेंज है। वर्ष 1992 में स्थापित इस एक्सचेंज में आईडीबीआई, लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन (एलआईसी) और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) जैसे संस्थान शुरुआती निवेशक थे। हालांकि, एसबीआई ने अगस्त 1993 में एनएसई के शेयर खरीदे थे।

हालांकि एक्सचेंज में सबसे बड़ी हिस्सेदार एलआईसी, लगभग 30,000 करोड़ रुपये के इस ओएफएस में अपनी कोई हिस्सेदारी नहीं बेच रही है, लेकिन एसबीआई और अन्य संस्थागत निवेशक मिलकर 6 प्रतिशत हिस्सेदारी की पेशकश कर रहे हैं, जिससे एनएसई का मूल्यांकन लगभग 5 लाख करोड़ रुपये आंका जा रहा है।

आईपीओ दस्तावेजों के अनुसार एसबीआई के पास 7.98 करोड़ शेयर हैं। उसकी इन शेयरों की खरीद कीमत 0.80 रुपये प्रति शेयर है, जबकि बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) की खरीद लागत 0.54 रुपये प्रति शेयर है।

एसबीआई इस ओएफएस में 2.47 करोड़ शेयर तक पेश कर रहा है। बीओबी ने 1.089 करोड़ शेयर ऑफर किए हैं। फिलहाल, कंपनी में एसबीआई की हिस्सेदारी 3.23 प्रतिशत है। आईपीओ और लिस्टिंग के बाद यह हिस्सेदारी घटकर 2.2 प्रतिशत रह जाएगी।

10.72 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़ी शेयरधारक लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) इस आईपीओ के जरिये एनएसई में अपनी हिस्सेदारी कम नहीं कर रही है। स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने एनएसई में 0.46 रुपये प्रति शेयर के भाव पर हिस्सेदारी खरीदी थी।

दूसरे पीएसयू में, न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी, नैशनल इंश्योरेंस कंपनी और ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी के पास मौजूद शेयरों की खरीद कीमत 0.32 रुपये प्रति शेयर है, जबकि यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस के लिए यह कीमत 0.50 रुपये प्रति शेयर है।

शेयर बेचने वाले दूसरे शेयरधारकों में एमएस स्ट्रैटजिक (मॉरिशस) की खरीद कीमत 66.54 रुपये प्रति शेयर है। कनाडा पेंशन प्लान इन्वेस्टमेंट बोर्ड की वेटेड खरीद कीमत लगभग 324.13 रुपये प्रति शेयर है और अरांडा इन्वेस्टमेंट्स (मॉरिशस) की खरीद कीमत 62.38 रुपये है।

इस आईपीओ में एनएसई के 1 रुपये की फेस वैल्यू वाले 14.89 करोड़ तक इक्विटी शेयर (यानी चुकता पूंजी का लगभग 6%) शामिल होंगे। इसमें कोई नया इश्यू नहीं होगा, जिसका मतलब है कि एक्सचेंज को इस निर्गम से कोई पैसा नहीं मिलेगा। इसके बजाय इससे जुटाया गया सारा पैसा शेयर बेचने वाले शेयरधारकों की जेब में जाएगा।

अनलिस्टेड मार्केट में बाजार पूंजीकरण के आधार पर इस आईपीओ का आकार 30,000 करोड़ रुपये से ज्यादा होने का अनुमान है, जिससे यह अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ हो सकता है। इसकी तुलना में, ह्युंडै इंडिया ने 2024 में आईपीओ के जरिये लगभग 28,000 करोड़ रुपये जुटाए थे। अनलिस्टेडजोन के अनुसार, अनलिस्टेड बाजार में एनएसई का शेयर लगभग 2055 रुपये प्रति शेयर के भाव पर कारोबार कर रहा है। इस कीमत पर, एसबीआई की हिस्सेदारी की बिक्री का मूल्य 5,000 करोड़ रुपये से ज्यादा आंका जा रहा है।

आईपीओ पर नजर

- एनएसई में एसबीआई की हिस्सेदारी 3.23 प्रतिशत है जो लिस्टिंग के बाद घटकर 2.2 प्रतिशत रह जाएगी
- एसबीआई इस ओएफएस में 2.47 करोड़ शेयर तक पेश कर रहा है। एसबीआई के पास 7.98 करोड़ शेयर हैं
- एसबीआई के इन शेयरों की खरीद कीमत 0.80 रुपये प्रति शेयर है

फेड की सख्ती से डॉलर मजबूत, सोने में नरमी

गुरुवार को सोने की कीमतों में थोड़ी गिरावट आई। इसकी वजह फेडरल रिजर्व के नीति संबंधी सख्त संकेत और डॉलर का मजबूत होना था। वहीं, अमेरिका-ईरान के बीच शांति समझौते ने महंगाई की चिंताओं को कम किया और तेल की कीमतों में गिरावट ला दी।

सुबह 9:07 बजे तक हाजिर सोना 0.2 प्रतिशत गिरकर 4,249.16 डॉलर प्रति औंस पर था। पिछले हफ्ते कीमतें नवंबर 2025 के बाद अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई थीं।

अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स 2.6 प्रतिशत गिरकर 4,268.40 डॉलर पर आ गया।

जैनर मेटल्स के उपाध्यक्ष और वरिष्ठ मेटल्स रणनीतिकार पीटर ग्रांट ने कहा, 'सबसे अहम बात कल फेड का सख्त रुख था। इसकी वजह से डॉलर इस साल नए ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है, जिससे सोने पर कुछ दबाव बना हुआ है।'

फेड ने बुधवार को ब्याज दरों को स्थिर रखा, लेकिन 19 नीति निर्माताओं में से नौ का मानना है कि साल के अंत में दरों में वृद्धि की आवश्यकता होगी।

नीतिगत बयान के बाद अमेरिकी डॉलर की कीमत बढ़ी और यह अभी एक साल के सबसे ऊंचे स्तर पर है, जिससे विदेशी खरीदारों के लिए डॉलर में कीमत वाली कीमती धातुएं महंगी हो गई हैं।सीएमई फेडवॉच टूल के अनुसार बाजार अब दिसंबर में अमेरिका में ब्याज दरें बढ़ने की 88 प्रतिशत संभावना मानकर चल रहे हैं। यह दर फेड के पॉलिसी स्टेटमेंट से पहले देखी गई 61 प्रतिशत संभावना से ज्यादा है। सोना आमतौर पर ज्यादा ब्याज दरों वाले माहौल में संघर्ष करता है। पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद से ही इसकी कीमतों पर दबाव बना हुआ है। *रॉयटर्स*

तेल कीमतें सबसे निचले स्तर पर

रॉयटर्स
लंदन, 18 जून

गुरुवार को तेल की कीमतों में लगभग 3 प्रतिशत की गिरावट आई। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष समाप्त करने, होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने और तेहरान पर लगे प्रतिबंधों में ढील देने के लिए एक अंतरिम समझौते ने वैश्विक आपूर्ति परिदृश्य को बढ़ावा दिया है।

ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 1.53 डॉलर (1.9 प्रतिशत) गिरकर 78.02 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, जबकि अमेरिकी वेस्ट टैक्सस इंटरमीडिएट 2.22 डॉलर (2.9 प्रतिशत) गिरकर 74.57 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

ब्रेंट, 2 मार्च के बाद अपने सबसे निचले स्तर पर आ गया, जो ईरान पर पहले अमेरिकी-इजरायली हमलों के बाद ट्रेडिंग का पहला दिन था, जबकि डब्ल्यूटीआई 4 मार्च के बाद अपने सबसे निचले स्तर पर था।

लगातार पांचवें दिन तेजी, सेंसेक्स 254 अंक चढ़ा

भाषा
मुंबई, 18 जून

भू-राजनीतिक मोर्चे पर सकारात्मक घटनाक्रम और कच्चे तेल की कीमतों में जारी नरमी से स्थानीय शेयर बाजार गुरुवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में चढ़कर बंद हुए। सेंसेक्स में 254 अंक और निफ्टी में 82 अंक की बढ़त दर्ज की गई। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 254.36 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77,409.98 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 77,492.33 अंक के उच्चतम और 76,953 के निचले स्तर तक गया।

एनएसई का 50 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक निफ्टी भी 82.30 अंक यानी 0.34 प्रतिशत चढ़कर 24,168 अंक पर बंद हुआ। यह घरेलू शेयर बाजार में तेजी का लगातार पांचवां कारोबारी सत्र रहा। इस दौरान सेंसेक्स में कुल 3,577.43 अंक और निफ्टी में 1,006.4 अंक की बढ़त दर्ज की गई है। गुरुवार को सेंसेक्स की कंपनियों में इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो), ट्रेंट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एनटीपीसी, भारतीय स्टेट बैंक और एचडीएफसी बैंक प्रमुख रूप से बढ़त में रहीं। दूसरी तरफ, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, मारुति और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयरों में गिरावट रही।

पश्चिम एशिया में तनाव थमने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 2.23 प्रतिशत गिरकर 77.78 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने फ्रांस में ईरान के साथ शांति स्थापना के समझौता पर हस्ताक्षर किए। इससे तीन महीने से अधिक समय से जारी युद्ध समाप्त होने की उम्मीद बनी है।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि अमेरिका-ईरान शांति समझौते से शुरुआती उत्साह बना, लेकिन अमेरिकी फेडरल रिजर्व के सख्त रुख को देखते हुए निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया।

मुद्रा भंडार बढ़ा रहा रिजर्व बैंक

पृष्ठ 1 का शेष

जनवरी और फरवरी में शुद्ध खरीदार बनने के बाद आरबीआई मार्च में फिर से शुद्ध बिकवाल बन गया और कुल 9.76 अरब डॉलर की शुद्ध बिक्री की।

आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक 6 जून तक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 681.6 अरब डॉलर था। यह फरवरी के अंतिम सप्ताह के 728.5 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर से लगभग 47 अरब डॉलर कम है। इस दौरान वैश्विक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनाव के बीच मुद्रा बाजार में उठापटक को कम करने के लिए केंद्रीय बैंक के दखल देने से मुद्रा भंडार में गिरावट आई। साथ ही आरबीआई ने डॉलर की काफी बड़ी शॉर्ट फॉरवर्ड पोजीशन बना ली है। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों से पता चलता है कि मार्च में यह पोजीशन रिकॉर्ड 103.1 अरब डॉलर तक पहुंचने के बाद अप्रैल के आखिर में 95.3 अरब डॉलर थी। डीलरों का अनुमान है कि तब से यह पोजीशन और बढ़ गई है क्योंकि आरबीआई ने नॉन-डिलिवरेबल फॉरवर्ड मार्केट में दखल देना जारी रखा है।

एक सरकारी बैंक के एक डीलर ने कहा, 'आरबीआई डॉलर खरीदने और मुद्रा भंडार बढ़ाने पर ध्यान दे रहा है। साथ ही, जैसे-जैसे अनुबंध पूरे हो रहे हैं फॉरवर्ड बुक पर निर्भरता कम करने का भी प्रोत्साहन मिल रहा है।'

बाजार के भागीदारों को उम्मीद है कि रुपया मजबूत होने के दौरान आरबीआई सक्रिय रूप से डॉलर की खरीदारी करता रहेगा। बाजार के एक जानकार ने कहा, 'आरबीआई रुपये की कीमत बढ़ने के विरोध में नहीं है लेकिन वह इसमें अचानक और तेज उछाल को रोक रहा है। ऐसा लगता है कि इसका मकसद फॉरवर्ड बुक को प्रबंधित करते हुए विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ाना है।'

डॉलर पर नजर

- आरबीआई के कदम से रुपये की बढ़त सीमित हो सकती है
- बीते 5 सत्र से रुपये में आ रही मजबूती, रुपया 94.34 प्रति डॉलर पर हुआ बंद
- आरबीआई ने लगभग 1 से 2 अरब डॉलर खरीदे, बुधवार को भी 2 से 3 अरब डॉलर की हुई थी खरीदारी

एनएसई के अनजान शेयरधारक की चांदी!

पृष्ठ 1 का शेष

मसौदे से पता चलता है कि एनएसई, नुवामा वेल्थ फाइनैंस में राणा के डीमैट खाते में दिसंबर 2023 में गलती से जमा हुए एनएसई के 5,000 शेयरों को वापस नहीं करने के मामले में राणा के साथ कानूनी लड़ाई लड़ रहा है। दिलचस्प है कि मुकदमे के प्रतिवादियों में नैशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) भी शामिल है।

एक्सचेंज ने आरोप लगाया है कि जब तक उसे इस शेयर के गलत लेनदेन का पता चला तब तक राणा ने उन 5,000 शेयरों में से 3,685 शेयर बेच दिए थे। अब उन्होंने उन शेयरों की बिक्री से प्राप्त 1.43 करोड़ रुपये की वसूली के साथ-साथ दिल्ली उच्च न्यायालय से शेष 1,315 शेयर और उन पर राणा को मिले 5,260 बोनस शेयरों को स्थानांतरित करने का आदेश की मांग की है।

हालांकि मई 2025 में दिल्ली उच्च न्यायालय ने राणा को बचे हुए शेयरों की बिक्री न करने का निर्देश दिया था। मगर वह मामला अभी भी लंबित है।

इस कानूनी लड़ाई के जारी रहने के बीच एनएसई आईपीओ के मसौदा पत्र से एक और कानूनी विवाद का पता चलता है। यह विवाद मसौदा पत्र जमा कराए जाने से कुछ सप्ताह पहले सामने आया था। मई 2026 में बंबई उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की गई थी जिसमें एनएसई में मॉरीशस के कुछ निवेशकों के लाभकारी स्वामित्व के बारे में चिंता जताई गई थीं।

परिणय शर्मा नाम के एक याचिकाकर्ता ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) को एक प्रस्तुति पत्र सौंपने के बाद बंबई उच्च न्यायालय में सेबी और एनएसई के खिलाफ एक रिट याचिका दायर की है।

शर्मा ने आरोप लगाया है कि कुछ निवेशकों ने नियामकीय जांच से लाभकारी स्वामित्व को छिपाने के लिए सीधे तौर पर निवेश करने के बजाय मॉरीशस की कंपनियों के जरिये एनएसई में निवेश किया है। उन्होंने कहा है कि एनएसई के शेयर रखने वाली विदेशी इकाइयों के लाभकारी स्वामित्व का खुलासा नहीं किया गया है।

आईपीओ के मसौदा पत्र में एनएसई ने कहा है, 'याचिकाकर्ता ने अन्य बातों के साथ-साथ यह भी आरोप लगाया कि सेबी ने उस प्रस्तुति पत्र पर कोई कार्रवाई नहीं की। याचिकाकर्ता ने सेबी को लंबित प्रस्तुति पर निर्णय लेने का निर्देश देने वाली 'रिट ऑफ मैंडमस' की मांग की। साथ ही हमारी कंपनी को अपने प्रवर्तक समूह एवं शेयरधारकों/अंतिम लाभार्थियों की जानकारी केवाईसी दस्तावेजों के साथ सार्वजनिक करने का निर्देश देने और याचिका का अंतिम निपटारा होने तक हमारी कंपनी की आईपीओ प्रक्रिया पर रोक लगाने की भी मांग की।

मेडिकवर के आईपीओ की योजनाएं पटरी पर

मेडिकवर हॉस्पिटल्स इंडिया ने कहा है कि उसका प्रस्तावित आईपीओ तय योजना के अनुसार ही आगे बढ़ रहा है, भले ही पैतृक कंपनी मेडिकवर एबी और प्राइवेट इक्विटी फर्म केकेआर के बीच स्वीडिश हेल्थकेयर ग्रुप के भारतीय अस्पताल परिचालन की संभावित बिक्री को लेकर बातचीत चल रही है। यह स्पष्टीकरण ऐसे समय आया है, जब मेडिकवर एबी ने बताया कि केकेआर ने उससे संपर्क किया है और अपने भारतीय कामकाज को बेचने की संभावना पर बातचीत चल रही थी। कंपनी ने कहा कि इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि बातचीत से कोई सौदा हो जाएगा। उसने कहा कि उसके भारत के हॉस्पिटल बिजनेस के आईपीओ की तैयारी जारी है।

मेडिकवर हॉस्पिटल्स इंडिया के कार्यकारी निदेशक हरि कृष्ण ने बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया, 'केकेआर ने मेडिकवर से संपर्क किया है और बातचीत चल रही है। हालांकि, अभी तक कोई पक्का ऑफर या पक्का एग्रीमेंट नहीं हुआ है।'

वॉटरवेज लीजर टूरिज्म के आईपीओ का मूल्य दायरा तय

कॉर्डेलिया क्रूज का संचालन करने वाली कंपनी वॉटरवेज लीजर टूरिज्म ने अपने आईपीओ के लिए 769 से 808 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी ने एक कार्यक्रम के दौरान बताया कि यह आईपीओ 23 जून को खुलेगा और 25 जून को बंद होगा। इस निर्गम के जरिये कंपनी का लक्ष्य 585 करोड़ रुपये तक जुटाने का है। कंपनी के अनुसार, निवेशक न्यूनतम 18 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे और इसके बाद 18-18 शेयरों के गुणकों में बोली लगानी होगी। यह आईपीओ पूरी तरह से 585 करोड़ रुपये के नए निर्गम के रूप में होगा।

कंपनी ने बताया कि नए निर्गम से प्राप्त राशि में से 480 करोड़ रुपये का उपयोग इसकी सहायक कंपनी बेक्रूज शिपिंग एंड लीजिंग (आईएफएससी) प्राइवेट लिमिटेड (बेक्रूज आईएफएससी) को लीज किराये के अग्रिम भुगतान तथा मासिक लीज भुगतान के लिए किया जाएगा। शेष राशि का उपयोग सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी की परिचालन से आय 444 करोड़ थी, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 580 करोड़ रुपये हो गई और वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 123 करोड़ का नुकसान हुआ था, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में उसे 52 करोड़ का शुद्ध लाभ हुआ। *बीएस/भाषा*

THIS IS ONLY PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES AND NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT. THIS DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE FOR SECURITIES. NOT FOR PUBLICATION OR DISTRIBUTION, DIRECTLY OR INDIRECTLY OUTSIDE INDIA.

AVIENbio
Complete Healthcare Solution

(Please scan this QR Code to view the RHP)

AVIENCE BIOMEDICALS LIMITED

Corporate Identity Number: U74999DL2019PLC359158

Our Company was incorporated as Avience Biomedicals Private Limited under the provisions of the Companies Act, 2013 vide certificate of incorporation dated December 23, 2019, in Delhi. Subsequently, our Company was converted into a Public Limited Company pursuant to Shareholders Resolution passed at the Extra Ordinary General Meeting of the Company held on June 26, 2024 and the name of our Company was changed from "Avience Biomedicals Private Limited" to "Avience Biomedicals Limited" vide a fresh Certificate of Incorporation dated September 03, 2024 having CIN U74999DL2019PLC359158 issued by the Registrar of Companies, Central Processing Centre, Delhi. For further details, please refer to section titled "Our History and Certain Other Corporate Matters" beginning on page 241 of the Red Herring Prospectus.

Registered Office: C-11, Block-C, Community Centre, Janakpuri A-3, New Delhi-110058, India
Contact Person: Mr. Manoj Kumar, Company Secretary and Compliance Officer
Telephone: 1800-12-04-636 **Email:** info@avienbio.com, **Website:** www.avienbio.com

PROMOTERS: MR. DHARAM DEO CHOUDHARY, MR. RAM NAGINA CHOUDHARY, MR. JANARDAN PAL AND MS. DEEPA CHOUDHARY

INITIAL PUBLIC ISSUE OF UP TO 14,53,800 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10/- EACH ("THE EQUITY SHARES") OF AVIENCE BIOMEDICALS LIMITED ("OUR COMPANY" OR "ABL" OR THE "ISSUER") AT AN ISSUE PRICE OF ₹ [•] PER EQUITY SHARE FOR CASH, AGGREGATING UP TO ₹ [•] LAKHS ("PUBLIC ISSUE") OUT OF WHICH 82,200 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹10 EACH, AT AN ISSUE PRICE OF ₹[•] PER EQUITY SHARE FOR CASH, AGGREGATING ₹ [•] LAKHS WILL BE RESERVED FOR SUBSCRIPTION BY THE MARKET MAKER TO THE ISSUE (THE "MARKET MAKER RESERVATION PORTION"). THE PUBLIC ISSUE LESS MARKET MAKER RESERVATION PORTION I.E. ISSUE OF 13,71,600 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹10 EACH, AT AN ISSUE PRICE OF ₹ [•] PER EQUITY SHARE FOR CASH, AGGREGATING UPTO ₹ [•] LAKHS IS HEREIN AFTER REFERRED TO AS THE "NET ISSUE". THE PUBLIC ISSUE AND NET ISSUE WILL CONSTITUTE 26.50% AND 25.01% RESPECTIVELY OF THE POST- ISSUE PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY.

CORRIGENDUM: NOTICE TO INVESTORS

This Corrigendum should be read with the Red Herring Prospectus dated June 12, 2026.

1. Insertion of the Following Paragraph under the Chapter **"ISSUE PROCEDURE"** on Page 377 of the Red Herring Prospectus.

Flow of Events from the closure of Bidding period (T DAY) Till Allotment :-

- On T Day, RTA to validate the electronic bid details with the depository records and also reconcile the final certificates received from the Sponsor Bank for UPI process and the SCSBs for ASBA and Syndicate ASBA process with the electronic bid details.
- RTA identifies cases with mismatch of account number as per bid file / FC and as per applicant's bank account linked to depository demat account and seek clarification from SCSB to identify the applications with third party account for rejection.
- Third party confirmation of applications to be completed by SCSBs on T+1 day.
- RTA prepares the list of final rejections and circulates the rejections list with BRLM(s)/ Company for their review/ comments.
- Post rejection, the RTA submits the basis of allotment with the Designated Stock Exchange (DSE).
- The DSE, post verification approves the basis and generates drawl of lots wherever applicable, through a random number generation software.
- The RTA uploads the drawl numbers in their system and generates the final list of allottees as per process mentioned below:

Process for generating list of allottees: -

- Instruction is given by RTA in their Software System to reverse category wise all the application numbers in the ascending order and generate the bucket /batch as per the allotment ratio. For example, if the application number is 78654321 then system reverses it to 12345687 and if the ratio of allottees to applicants in a category is 2:7 then the system will create lots of 7. If the drawl of lots provided by DSE is 3 and 5 then the system will pick every 3rd and 5th application in each of the lot of the category and these applications will be allotted the shares in that category.
- In categories where there is proportionate allotment, the Registrar will prepare the proportionate working based on the oversubscription times.
- In categories where there is undersubscription, the Registrar will do full allotment for all valid applications.
- On the basis of the above, the RTA will work out the allottees, partial allottees and non- allottees, prepare the fund transfer letters and advice the SCSBs to debit or unblock the respective accounts.

2. In the chapter titled "**OUR HISTORY AND CERTAIN OTHER CORPORATE MATTERS**", under the heading "**DETAILS REGARDING ACQUISITION OF BUSINESS / UNDERTAKINGS, MERGERS, AMALGAMATIONS OR REVALUATION OF ASSETS**" appearing on page 245 of Red Herring Prospectus the consideration amounts mentioned as "₹ 414,470.29 Lakhs" and "₹ 1,58,212 Lakhs" shall be read as "₹ 414,470.29 Hundred" and "₹ 1,58,212 Hundred", respectively.

No other details / terms of the Issue stand modified.

BOOK RUNNING LEAD MANAGER TO THE ISSUE	REGISTRAR TO THE ISSUE	COMPANY SECRETARY AND COMPLIANCE OFFICER
FINTELLECTUAL CORPORATE ADVISORS **FINTELLECTUAL CORPORATE ADVISORS PRIVATE LIMITED** **Address:** B-20, Second Floor, Sector- 1, Noida, Uttar Pradesh- 201301 **Telephone:** +91-120-4266080 **Email:** ipo@fintellectualadvisors.com **Website:** www.fintellectualadvisors.com **Contact Person:** Mr. Amit Puri/ Mr. Pramod Negi **SEBI Registration Number:** INM000012944 **CIN:** U74999DL2021PTC377748	Skyline Financial Services Pvt. Ltd. Towards Excellence **SKYLINE FINANCIAL SERVICES PRIVATE LIMITED** **Address:** D-153A, First Floor, Okhla Industrial Area, Phase-I, New Delhi-110020. **Tel No.:** 011-40450193-197 **E-mail:** ipo@skylinerta.com **Investor Grievance E-mail:** grievances@skylinerta.com **Website:** https://www.skylinerta.com/ **Contact Person:** Mr. Anuj Rana **SEBI Registration No.:** INR000003241 **CIN:** U74899DL1995PTC071324	**Mr. Manoj Kumar** **Address:** C-11, Block-C, Community Centre, Janakpuri A-3, West Delhi, New Delhi-110058, India **Tel. No.:** +91 99672 44630 **E-mail:** cs@avienbio.com **Website:** www.avienbio.com Investors can contact our Company Secretary and Compliance Officer, the Book Running Lead Managers or the Registrar to the issue, in case of any pre-issue or post-issue related problems, such as non-receipt of letters of allotment, non-credit of allotted Equity Shares in the respective beneficiary account, non-receipt of refund orders and non-receipt of funds by electronic mode etc.

All capitalized terms used herein and not specifically defined shall have the same meaning as ascribed to them in the Red Herring Prospectus.

For Avience Biomedicals Limited
On Behalf of the Board of Directors
Sd/-
Mr. Manoj Kumar
Company Secretary and Compliance Officer

Place: Delhi
Date: June 18, 2026